सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 162 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 17 जुलाई, 2025

मूल्य ₹ 3/-

उस तरह मत चलिए जिस तरह डर आपको चलाये। उस तरह चलिए जिस तरह प्रेम आपको चलाये।

-ओशो

वनडे में भारतीय महिला टीम की जीत... 7 | निकलती जा रही पीएम मोदी... 3 | राज्य में सांसद का नहीं सम्मान तो... 2

इंडिगो की कारगुजारी के खिलाफ उठने लगी आवाज

इंडिगो की मलेशिया में गोपनीय लैंडिंग की शिकायत

- जन अधिकार सेना ने डीजीसीए को लिखा पत्र
- आम यात्रियों ने भी साझा की उस दिन की घटना की आपबीती
- फ्लाइट रिकॉर्ड तक को परिवर्तित किया गया
- एयरक्राफ्ट एक्ट 1935 के साथ एयरक्राफ्ट रूल 1937 के तहत विभिन्न धाराओं में अपराध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक दौर वो था जब कोई दुर्घटना घटती थी तो सरकारें अपनी जिम्मेदारी लेती थीं। संबंधित मंत्री इस्तीफा दे देता था। पर अब तो ऐसा हो गया है विमान के बड़े-बड़े हादसे हो जातें है सैकड़ों लोग काल के गाल में समा जाते हैं पर सत्ताधीशों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। तुर्रा ये कि घटनाओं को छुपाने की कोशिश तक की जाती है। लेकिन सरकार में बैठे लोगों को शायद ये पता नहीं है आज के जमाने कुछ भी छिपाना आसान नहीं है।

अहमदाबाद विमान हादसे की तरह अभी एक और बड़ा हादसा इंडिगो फ्लाइट संख्या 6ई 104 में होने से बच गया। पर इस लापरवाही को पूरी तरह से नजरअंदाज ही नहीं किया गया बल्कि इस खबर को दबा दिया गया। पर अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए 4पीएम न्यूज नेटवर्क ने इस मामले को उठाया। इसीक्रम आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन, नई दिल्ली को सिंगापुर से दिल्ली के लिए 27 जून 2025 को उड़ने वाली इंडिगो फ्लाइट संख्या 6ई 104 के मलेशिया के एक अज्ञात एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की शिकायत की है। यहीं नहीं बहुत से यात्रियों ने भी 27 जून की उस डरावनी घटना को सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

फ्लाइट के उड़ान भरते ही उसमें जलने की बदबू फैली

उन्होंने कहा कि अत्यंत विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार फ्लाइट के उड़ने के बाद उसके अंदर से जलने की काफी तेज बदबू आई। इसके कारण फ्लाइट मलेशिया के पुत्रजय के पास एक छोटे से हवाई अड्डे पर उतारा गया। उन्हें प्राप्त जानकारी के अनुसार इंडिगो ने इस इमरजेंसी लैंडिंग को आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया और इसे छिपाने का हर संभव प्रयास किया गया है। बताया जाता है कि यहां तक की इंटरनेट पर इस उड़ान के फ्लाइट रिकॉर्ड तक को परिवर्तित कर दिया गया है ताकि घटना का कोई सबूत ना शेष रह जाए।

सोशल मीडिया पर शेयर न करने का डाला गया दबाव

इंडिगो के कर्मचारियों ने सभी के फोन लेकर फेसबुक और एक्स चेक करना शुरू किया। जिन यात्रियों ने इस घटना के विषय में लिख दिया था उनसे कहा गया कि वे पहले अपनी पोस्ट डिलीट करें तभी उनको भारत भेजने के लिए अगले जहाज की व्यवस्था की जाएगी। एक महिला के पति ने अमेरिका में ही इस मामले में एक्स पर पोस्ट लिख दी थी और इंडिगो को टैग किया था तो इस महिला से कहा गया कि अपने पति से पहले वह पोस्ट डिलीट करवायें।

4PM ने प्रमुखता से दिखाई खबर

सांध्य दैनिक 4PM

मौत का गोला बनते-बनते बची सिंगापुर से भारत आ रही इंडिगो की फ्लाइट!

सरकार और कंपनी ने क्यों छुपायी ये खौफनाक घटना!

सरकार छुपा रही है इंडिगो की ये सारी कारगुजारी

सिंगापुर से आ रहे यात्रियों ने किया 4PM से खुलासा

अब तक इंडिगो ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया

एक वक्त था जब भारत में ट्रेन में यात्रा करते हुए लोगों को सुरक्षित पहुंचने का भरोसा होता था। अगर दुर्घटना हो तो कार्रवाई होती थी, इस्तीफा लिया जाता था। लेकिन फिर एक के बाद एक एक्सीडेंट हुए, और रेल मंत्री शान से रील बनाते रहे। अब फ्लाइट में वहीं हो रहा है। एक के बाद एक दुर्घटनाओं की खबर आ रही है। कार्रवाई तो दूर, अब घटनाएं छिपाई जा रही हैं। इंडिगो फ्लाइट ई1014 की विदेश में इमरजेंसी लैंडिंग हुई. 21 दिन पहले की घटना है। लेकिन 21 दिनों में ये खबर मीडिया में नहीं क्यों ? क्योंकि पूरी व्यवस्था ने खबर को दबाने के लिए काम किया। 4पीएम पहला मीडिया चैनल है जो इस खबर को प्रमुखता से उठा रहा है।

अमिताभ ठाकुर ने कई वीडियो और फोटो भी भेजे

अमिताभ ठाकुर ने इससे जुड़े कई वीडियो और फोटो भेजे हैं। उन्होंने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए इसे एयरक्राफ्ट एक्ट 1935 के साथ एयरक्राफ्ट रूल 1937 के तहत विभिन्न धाराओं में अपराध में बताया है। अतः उन्होंने डीजीसीए से इस मामले में तत्काल आपराधिक मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने फ्लाइट के सभी यात्रियों को समुचित मुआवजा दिए जाने की मांग भी की है।

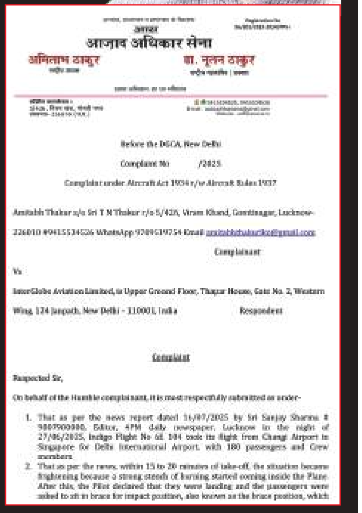

आजाद अधिकार सेना

अमिताभ ठाकुर

डा. नूतन ठाकुर

Before the DGCA, New Delhi

Complaint No /2025

Complaint under Aircraft Act 1934 r/w Aircraft Rules 1937

Amitabh Thakur s/o Sri T N Thakur r/o 5/426, Viram Khand, Gomtinagar, Lucknow-226010 #9415534526 WhatsApp 9789519754 Email amitabhthakurlko@gmail.com

Complainant

Vs

InterGlobe Aviation Limited, in Upper Ground Floor, Thapar House, Gate No. 2, Western Wing, 124 Janpath, New Delhi - 110001, India

Respondent

Complaint

Respected Sir,

On behalf of the Humble complainant, it is most respectfully submitted as under-

1. That as per the news report dated 16/07/2025 by Sri Sanjay Sharma # 9807900000, Editor, 4PM daily newspaper, Lucknow in the night of 27/06/2025, Indigo Flight No 6E 104 took its flight from Changi Airport in Singapore for Delhi International Airport, with 180 passengers and Crew members.
2. That as per the news, within 15 to 20 minutes of take-off, the situation became frightening because a strong stench of burning started coming inside the Plane. After this, the Pilot declared that they were landing and the passengers were asked to sit in brace for impact position, also known as the brace position, which

मौत को सामने देख सिहर गए लोग

उस जहाज से यात्रा कर रहे कुछ यात्रियों ने उस समय को मोबाइल के कैमरों में कैद कर लिया। कई यात्रियों ने बताया कि जहाज की लैंडिंग इतनी खतरनाक थी कि यात्रियों को लगा की ये उनके जीवन का आखिरी पल है। जैसे ही जहाज रुका बाहर फायरब्रिगेड और पुलिस की गाड़ियां मौजूद थीं। जहाज में जलने की गंध और तेज होती जा रही थी। इसके बाद पायलट ने केबिन से बाहर आकर कहा कि कार्गो में आग लग गई थी। लेकिन यात्रियों को इस पर यकीन नहीं हुआ। जहाज पर सवार एक यात्री ने 4पीएम को बताया कि उनको कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गयी। यात्रियों को जहाज से निकाल कर टर्मिनल में ले जाया गया। तब तक यात्रियों के परिजन परेशान को गये थे जो जहाज को लाइव ट्रैक कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों ने फेसबुक और एक्स पर घटना की जानकारी लिख दी थी।

राज्य में सांसद का नहीं सम्मान तो जनता की क्या बिसात : अखिलेश

कैराना सांसद इकरा हसन से अभद्रता के मामले ने पकड़ा तूल, एडीएम पर सपा प्रमुख ने कार्रवाई करने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर के कैराना से सांसद इकरा हसन से अभद्रता के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सपाई विरोध में उतर आए हैं। मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर एडीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी एडीएम पर निशाना साधा है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने फेसबुक और एक्स पर लिखा है कि जो अधिकारी सांसद का सम्मान नहीं करता वह जनता का सम्मान क्या करेगा। एक जुलाई को सांसद इकरा हसन और नगर पंचायत अध्यक्ष शमा परवीन एडीएम कार्यालय पहुंची थीं। इसके बाद कैराना सांसद की तरफ से शासन को शिकायत की गई। बताया कि एडीएम ने उनके साथ अभद्रता की और कार्यालय से बाहर जाने के लिए कहा। शिकायत की कॉपी मंडलायुक्त को भी दी गई। मंडलायुक्त के आदेश पर जिलाधिकारी ने जांच शुरू कर दी है। अमर उजाला ने 16 जुलाई के अंक में इसे प्रमुखता से प्रकाशित किया। एडीएम संतोष बहादुर सिंह से भी जवाब मांगा गया है।

पूर्व विधायक ने भी जताई आपत्ति

पूर्व विधायक माविया अली ने भी इस घटना पर रोष जताया। बुधवार को जारी बयान में पूर्व विधायक माविया अली ने कहा कि कहा कि भाजपा की सरकार में उत्तर प्रदेश में अधिकारी पूरी तरह बेलगाम होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कैराना सांसद इकरा हसन के साथ अभद्र व्यवहार राजनीति से प्रेरित है, जिसे सपाई किसी सूरत बर्दाश्त नहीं करेंगे। वहीं, पूर्व सभासद सिकंदर अली ने भी सांसद के साथ अभद्र व्यवहार की निंदा की है।

महिला विरोधी मानसिकता वाले अधिकारी को सजा मिले : इकरा

सांसद इकरा हसन ने बताया कि वह अपने किसी काम से सहारनपुर कलेक्ट्रेट गई थी, वहां छुटमलपुर नगर पंचायत की अध्यक्ष शमा परवीन ने अपनी परेशानी बताई। महिला और जनप्रतिनिधि होने के नाते वह उनके साथ एडीएम से मिलीं। दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक एडीएम अपने कार्यालय नहीं आए। तीन बजे आने के बाद एडीएम ने जनप्रतिनिधि होने के साथ-साथ ही महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। योगी और मोदी सरकार एक और तो बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और महिला सशक्तिकरण का नारा बुलंद कर रही है, लेकिन एडीएम ने सारी हदें पार करते हुए महिलाओं का अपमान किया। जनप्रतिनिधि होने के नाते प्रोटोकॉल का पालन भी नहीं किया। उन्होंने शासन और प्रशासन में लिखित रूप में शिकायत की है। उनकी सरकार से मांग है कि महिला विरोधी मानसिकता के अधिकारी पर कार्रवाई होनी चाहिए।

हम अपनी बेटी के साथ हैं : फजलुर्रहमान

पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान ने भी फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा है कि हम अपनी बेटी के साथ हैं। सपा जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद की तरफ से मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की गई है। जिलाध्यक्ष ने लिखा कि कैराना सांसद और छुटमलपुर नगर पंचायत अध्यक्षा शमा परवीन के साथ हुई घटना निंदनीय है। इसके लिए एडीएम पर कार्रवाई होनी चाहिए। उधर, सपा महानगर प्रभारी एवं पार्षद अभिषेक टिंकू अरोड़ा ने पत्र भेजकर लिखा कि जन समस्याओं को लेकर सांसद इकरा हसन और अध्यक्षा एडीएम से मिलने के लिए पहुंची थीं। इस तरह उनके साथ अभद्र व्यवहार किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फैसल सलमानी ने कहा कि यह पूरी घटना विपक्ष की राजनीति के लिए अत्यधिक गंभीर है। इसे लेकर उच्च अधिकारियों से मुलाकात की जाएगी।

एडीएम ने आरोपों को बताया निराधार

"एडीएम ने कहा कि जैसे ही मुझे कैराना सांसद के कार्यालय में पहुंचने का पता चला तो तुरंत वहां पहुंचा। कैराना सांसद ने फोन रिसीव नहीं करने पर नाराजगी जताई। छुटमलपुर ईओ को लेकर शिकायत की थी, लेकिन उन्होंने लिखित में शिकायत नहीं दी। वार्ता सिर्फ इतनी हुई। उन्हें कार्यालय से बाहर जाने के लिए बिल्कुल नहीं कहा। यह आरोप गलत है। जनप्रतिनिधियों का पूरी तरह से सम्मान करते हैं।

दिल्ली की कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त : देवेंद्र यादव

» भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों और एमसीडी पर बरसे कांग्रेस अध्यक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में बढ़ते अपराधों को लेकर भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों और एमसीडी की व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और लोग अब अपने घरों में भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी में हत्या, दुष्कर्म, लूटपाट, झपटमारी, अपहरण, रंगदारी, नशा कारोबार और साइबर क्राइम के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और इसके बावजूद दिल्ली पुलिस आंकड़ों में सुधार का दावा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में दिल्ली अपराधों में नंबर- 1 बन चुकी है और पिछले पांच महीनों में हालात और खराब हुए हैं। उन्होंने कहा कि

मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देने के बजाय आपसी खींचतान में उलझे हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब पिछले तीन दिनों में 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, तब पुलिस ने क्या किया। देवेंद्र यादव ने बताया कि इस साल एक जनवरी से 30 जून तक 1,18,822 मामले दर्ज हुए हैं। प्रतिदिन औसतन पांच दुष्कर्म, दो हत्या, 18 झपटमारी और तीन डकैती के केस सामने आते हैं। एनडीपीएस एक्ट के तहत पांच ड्रग्स केस प्रतिदिन दर्ज हो रहे हैं। इसके अलावा वाहन चोरी के 17,512, अपहरण के 2,716 और छेड़छाड़ के 863 मामले आधिकारिक तौर पर सामने आए हैं।

जानबूझकर स्कूलों को बंद किया जा रहा : संजय

सांसद बोले- कांवड़ियों को शांत भाव से गंतव्य को जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। योगी सरकार के यूपी में पांच हजार स्कूलों को मर्ज करने के अभियान के खिलाफ आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने परतापुर के गोठड़ा गांव में स्कूली छात्र और ग्रामीणों के साथ पैदल मार्च निकाला। संजय सिंह ने कहा कि मर्ज शब्द बड़ा चालाकी भरा शब्द है। जानबूझकर स्कूलों को बंद किया जा रहा है। प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। 27 हजार स्कूल बंद कर दिए हैं। रोज दो दर्जन हत्याएं हो रही हैं।

कहा कि कांवड़ियों को शांत भाव से गंतव्य को जाना चाहिए। उन्हें अपना मन और हृदय विराट रखना चाहिए। सांसद ने कहा कि मर्ज के बाद बच्चों को कई किलोमीटर की दूरी तय कर स्कूल जाना पड़ेगा। सरकार बच्चों का भविष्य बर्बाद कर रही है। कहा कि एक किलोमीटर के दायरे में स्कूल होना चाहिए, ये शिक्षा के अधिकार का कानून कहता है। मोदी, योगी आदित्यनाथ, बीजेपी के नेताओं, आईएएस अधिकारी जिन्होंने स्कूल बंद करने का फैसला किया, क्या उनके बच्चे रोजाना दो किमी पैदल स्कूल आ और जा सकते हैं। कहा कि 21 जुलाई से संसद सत्र शुरू हो रहा है। इस मामले को वहां भी उठाऊंगा। इस मौके पर पश्चिम प्रांत अध्यक्ष सोमेन्द्र ढाका, जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी, महानगर अध्यक्ष अंकित गिरी, किसान प्रदेश अध्यक्ष अशोक कमांडो, अरविंद बालियान, अध्यक्ष ओमवीर सिंह, राकेश अवाना आदि मौजूद रहे।

बैग लेकर पहुंचे बच्चों ने कहा स्कूल को बंद मत होने दो

गोठड़ा के प्राथमिक स्कूल में बच्चों ने संजय सिंह से कहा कि स्कूल को बंद मत होने दो। दूसरा स्कूल दो किलोमीटर दूर है। संजय सिंह ने कहा कि स्कूलों की लड़ाई को बड़े स्तर पर लड़ा जाएगा।

वजीफे का लालच देकर करा लिए दस्तखत

गोठड़ा गांव निवासी प्राथमिक स्कूल के अध्यक्ष रिजवान ने संजय सिंह से बताया कि एक महीने पूर्व स्कूल के हेडमास्टर ने समय से छात्रों को स्कालरशिप दिलाने, स्कूल मर्ज होने के बाद अन्य तरह की सुविधाएं देने की बात कही। इसके अलावा बच्चों को विभिन्न प्रकार की सुविधा देने के लालच दिए गए और लेटर पर दस्तखत करा लिए।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन जैदी

बेनीवाल के आगे झुकी सरकार

17 घंटे बाद धरना समाप्त, सभी 19 मांगों पर बनी सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागौर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की अगुवाई में मंगलवार को आयोजित जनआक्रोश रैली आखिरकार 17 घंटे के लंबे धरने के बाद देर रात समाप्त हुई। जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित खुद धरनास्थल पहुंचे और सभी 19 मांगों पर सहमति जताई, जिसके बाद बेनीवाल ने धरना समाप्त करने की घोषणा की।

धरना नागौर के पशु प्रदर्शनी स्थल पर सुबह 11 बजे शुरू हुआ और रात करीब 2 बजे तक चला। हनुमान बेनीवाल खुद अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के साथ धरना स्थल पर मौजूद रहे। रैली में हजारों की भीड़ उमड़ी। पहले रैली केवल 8 सूत्रीय मांगों के साथ शुरू हुई थी, लेकिन बाद में मांगों की संख्या बढ़कर 19 हो गई। इस जनाक्रोश रैली की प्रमुख मांगों में मेड़ता,पुष्कर रेलवे लाइन के भूमि अधिग्रहण में किसानों को उचित मुआवजा, थार एक्सप्रेस वे सर्वे में पारदर्शिता, लंबित फसल बीमा क्लेम, बिजली कनेक्शन, बजरी लीज सर्वे की समीक्षा, सीमेंट कंपनियों की पर्यावरण स्वीकृति पर जनसुनवाई, और खेजड़ी जैसे पेड़ों की कटाई पर रोक जैसे मुद्दे शामिल रहे। रैली के दौरान बेनीवाल ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गई तो वे जिला कलेक्ट्रेट पर कूच करेंगे और फिर राजधानी जयपुर में बड़ा आंदोलन करेंगे। उनके इस ऐलान के बाद प्रशासन हरकत में आया और देर रात खुद कलेक्टर धरना स्थल पहुंचे और सभी मांगों पर सहमति जताई।

निकलती जा रही पीएम मोदी के गुजरात मॉडल की हवा!

करोड़ों की साड़ियां पानी में बर्बाद

सूरत में किलो के भाव मिल रही साड़ियां

» सड़कें नदियों में बदली

» बाढ़ ने इस उद्योग को गहरी चोट पहुंचाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सूरत। गुजरात भारत का एक प्रमुख औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र है। जो लंबे समय से वाइब्रेंट गुजरात और गुजरात मॉडल के नाम से जाना जाता है। यह मॉडल विकास, बुनियादी ढांचे और आर्थिक प्रगति का प्रतीक माना जाता है। जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान और बाद में राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया। हालांकि, हाल की घटनाओं ने इस मॉडल पर सवाल उठाए हैं। जून 2025 में सूरत में आई भारी बाढ़ ने शहर के कपड़ा उद्योग को भारी नुकसान पहुंचाया। जिसके चलते करोड़ों रुपये की साड़ियां और कपड़े पानी में बर्बाद हो गए, इसके साथ ही सोशल मीडिया और समाचारों में यह दावा भी सामने आया कि सूरत के बाजारों में साड़ियां किलो के भाव बिक रही हैं।

सूरत गुजरात का एक प्रमुख व्यापारिक और औद्योगिक शहर है। जो कपड़ा और हीरा उद्योग के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। यह शहर भारत के टेक्सटाइल उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र है। जहां लाखों लोग कपड़ा व्यापार से जुड़े हैं, हालांकि जून 2025 में भारी बारिश ने सूरत को जलमग्न कर दिया। जिससे शहर की सड़कें, घर, दुकानें और गोदाम पानी में डूब गए। समाचारों के अनुसार केवल 36 घंटों में सूरत में लगभग 400 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। जिसने शहर के बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। सड़कों पर पानी भर गया। रेलवे अंडरपास डूब गए और कई इलाकों में गाड़ियां पानी में फंस गईं। आपको बता दें कि सूरत के गोडादरा, मगोब, कड़ोदरा और कामरेज जैसे इलाकों में हालात इतने खराब हो गए कि सड़कें नदियों में बदल गईं। नगरपालिका को लोगों को बचाने के लिए ट्रैक्टर और नावों का सहारा लेना पड़ा थानों में भी पानी भर गया और पुलिसकर्मी अपने सामान को बचाने में जुट गए। वहीं इस बाढ़ ने न केवल आम लोगों के जीवन को प्रभावित किया बल्कि सूरत के कपड़ा उद्योग को भी भारी नुकसान पहुंचाया। सूरत का कपड़ा उद्योग भारत का सबसे बड़ा टेक्सटाइल हब है। जो साड़ियों, ड्रेस मटेरियल और अन्य कपड़ों का उत्पादन और निर्यात करता है। यह उद्योग न केवल गुजरात। बल्कि पूरे भारत के लिए आर्थिक रीढ़ की हड्डी है। सूरत के कपड़ा बाजार जैसे कि टेक्सटाइल मार्केट, रिंग रोड और सहारा दरवाजा, देश-विदेश में सस्ते और गुणवत्तापूर्ण कपड़ों के लिए प्रसिद्ध हैं। हालांकि जून 2025 की बाढ़ ने इस उद्योग को गहरी चोट पहुंचाई। समाचारों के अनुसार बाढ़ के कारण सूरत के कपड़ा बाजारों में गोदामों और दुकानों में रखे करोड़ों रुपये के कपड़े पानी में भीग गए। साड़ियां, लहंगे और अन्य कपड़े बर्बाद हो गए। जिससे व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। कुछ व्यापारियों ने बताया कि उनके गोदामों में रखा माल पूरी तरह से खराब हो गया। क्योंकि पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं थी। इसके अलावा, बाढ़ ने कपड़ा व्यापार की आपूर्ति भी प्रभावित किया। सूरत से बांग्लादेश, श्रीलंका और अन्य देशों में निर्यात होने वाले कपड़ों का व्यापार ठप हो गया। बांग्लादेश में हाल ही में हुए राजनीतिक और आर्थिक संकट ने भी सूरत के कपड़ा व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। जानकारी के अनुसार बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद सूरत के 250 से अधिक व्यापारियों के 550 करोड़ रुपये फंस गए हैं। क्योंकि भुगतान समय पर नहीं हो रहा है।

मॉडल की कमियां हो रहीं हैं उजागर

गुजरात मॉडल जिसे नरेंद्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल (2001-2014) के दौरान लोकप्रिय बनाया, विकास, औद्योगिक प्रगति और बुनियादी ढांचे के लिए जाना जाता है। इस मॉडल में सड़कों, बिजली और उद्योगों के बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। हालांकि, सूरत की हाल की बाढ़ और कपड़ा उद्योग के संकट ने इस मॉडल की कमियों को उजागर किया है। वहीं कई लोगों ने गुजरात मॉडल की आलोचना की उदाहरण के लिए, एक एक्स पोस्ट में कहा गया कि 23 साल से भाजपा शासित गुजरात की सच्चाई देखिए सूरत की ये तस्वीरें विकास नहीं, धोखे की कहानी कह रही हैं एक अन्य पोस्ट में लिखा गया। गुजरात में 28 साल से बीजेपी की सरकार हर बार वादा मेगा ड्रेनेज सिस्टम, वर्ल्ड-क्लास विकास हकीकत? हर बारिश में सड़क नहीं, नदी बहती है।

अपर्याप्त ड्रेनेज सिस्टम और नालों की सफाई का अभाव

आपको बता दें कि सूरत में बाढ़ का मुख्य कारण अपर्याप्त ड्रेनेज सिस्टम और नालों की सफाई का अभाव बताया जा रहा है। समाचारों के अनुसार मानसून से पहले नालों की सफाई ठीक से नहीं की गई। जिसके कारण पानी की निकासी नहीं हो सकी यह समस्या केवल सूरत तक सीमित नहीं है। गुजरात के अन्य हिस्सों जैसे सुरेंद्रनगर के खाराघोड़ा में भी नर्मदा का पानी नमक के मैदानों में घुस गया। जिससे सैकड़ों परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई। बता दें कि

कपड़ा उद्योग के जानकारों का कहना है कि गुजरात सरकार ने इस उद्योग को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। उदाहरण के लिए नई कपड़ा नीति को लागू करने में देरी हुई और पुरानी नीति 31 दिसंबर 2023 को समाप्त हो गई थी इसके अलावा, केंद्र सरकार द्वारा टेक्सटाइल उद्योग पर लगाए गए टैक्स ने भी इस क्षेत्र को नुकसान पहुंचाया। असम सरकार के एक फैसले ने भी सूरत के कपड़ा व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया। असम ने अपने पारंपरिक वस्त्र मेकला चादर को बढ़ावा देने के लिए बाहर से इस वस्त्र के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे सूरत के व्यापारियों को सौ करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

कोरोना-काल के बाद से यह उद्योग पूरी तरह से उबर नहीं पाया

सूरत के कपड़ा व्यापारी पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रहे थे। कोरोना-काल के बाद से यह उद्योग पूरी तरह से उबर नहीं पाया। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन और वहां के अस्थिर आर्थिक हालात ने सूरत के व्यापार को और प्रभावित किया व्यापारियों का कहना है कि उनका माल तो बांग्लादेश जा रहा है। लेकिन भुगतान समय पर नहीं मिल रहा। बाढ़ ने इन व्यापारियों की स्थिति को और खराब कर दिया। कई व्यापारियों ने बताया कि उनके गोदामों में रखा माल पूरी तरह से बर्बाद हो गया कुछ ने खराब हुए कपड़ों को कम कीमत पर बेचने की कोशिश की। लेकिन इससे भी नुकसान को पूरी तरह से कम नहीं किया जा सका। गुजरात मॉडल को अक्सर भारत के अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसमें औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे और निवेश को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाता है। सूरत में ही डायमंड ट्रेडिंग हब और ड्रीम सिटी जैसे प्रोजेक्ट्स इस मॉडल का हिस्सा हैं।

भीगे हुए कपड़ों को कम कीमत पर बेचने की कोशिश

वहीं सूरत में बाढ़ के बाद साड़ियां किलो के भाव बिक रही हैं। यह दावा सही है लेकिन पूरी तरह से नहीं। सूरत में बाढ़ के बाद कुछ व्यापारियों ने अपने भीगे हुए और खराब हुए कपड़ों को कम कीमत पर बेचने की कोशिश की। ताकि नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सके।. हालांकि, यह कहना कि साड़ियां किलो के भाव बिक रही हैं- अतिशयोक्ति हो सकती है।आपको बता दें

कि सूरत के टेक्सटाइल मार्केट में सामान्य दिनों में भी सस्ती साड़ियां उपलब्ध होती हैं। उदाहरण के लिए, जामपा बाजार, शनिवार मार्केट और चौटा बाजार जैसे स्ट्रीट मार्केट्स में साड़ियांऔर अन्य कपड़े थोक मूल्यों पर मिलते हैं। लेकिन बाढ़ के बाद की स्थिति में कुछ व्यापारियों ने खराब हुए माल को बहुत कम कीमत पर बेचा जिससे किलो के भाव जैसी बातें सामने आईं।वहीं यह स्थिति सूरत के कपड़ा उद्योग की बदहाली को दर्शाती है, व्यापारी पहले से ही कई समस्याओं से जूझ रहे थे जैसे कि बांग्लादेश के साथ व्यापारिक अनिश्चितता, कोरोना-काल के बाद की मंदी और सरकारी नीतियों का अभाव बाढ़ ने उनकी मुश्किलों को और बढ़ा दिया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अपने बच्चों को हार को स्वीकारना भी सिखाएं

“ यह गलत सोच है। जितना जरूरी बच्चों को जीतना सिखाना है, उतना ही जरूरी है कि उन्हें संघर्ष के साथ हारना भी सिखाया जाए। सिर्फ जीत ही नहीं, अपितु हार भी जीवन का अभिन्न अंग है अत: हार की तैयारी करवानी भी आवश्यक है। हार स्वीकार न कर पाने की प्रवृत्ति के कारण बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ रहा है और वे अकेलेपन से ग्रस्त हो रहे हैं।

आधुनिक समय में मां-बाप बच्चों को समय-समय पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास आता है, वह प्रेरित होकर आगे बढ़ते हैं। पर इसका एक स्याह पक्ष यह भी होता है कि जब किसी स्पर्धा में हारते हैं तो निराश हो जाते हैं उल्टे-सीधे कदम उठाकर कभी-कभी अपनी जान तक गंवा देते हैं ऐसे में माता-पिता को चाहिए कि कुछ ऐसे सीख भी अपने बच्चों को देते रहें कि वह मुश्किलों से घबराएं नहीं और फिर से उठकर जीवन में आगे बढ़ें। अमूमन देखने को मिला 'तुम सर्वश्रेष्ठ हो, महान हो मेरे बच्चे, तुम जो चाहो करो, मेरी तरफ से तुम्हें पूरी छूट है। तुम्हारे जीवन को आसान बनाने के लिए मैं हूं ना। आजकल माता-पिता ये वाक्य अपने बच्चों से कहते हैं। ये अभिभावकों की सकारात्मक सोच और संतान में विश्वास को दर्शाता है। यह परिवर्तन अच्छा है परन्तु इसके साथ ही एक कष्ट भी पनप रहा है। अभिभावकों के ये शब्द बच्चों में अहंकार का बीजारोपण कर उनमें 'मैं ही महान हूं' के भाव को भरकर उन्हें स्वार्थी और आलसी बना रहे हैं।

अभिभावकों द्वारा बच्चे पर अत्यधिक विश्वास करना, उन्हें सुखार्थी बना रहा है और वे भविष्य के संघर्षों के लिए खुद को तैयार नहीं कर पा रहे। बच्चों को आवश्यकता से अधिक प्यार करना, उनकी हर मांग को पूरा करना, बच्चों को अन्दर से कमजोर बना रहा है। अभिभावकों के लाड़ प्यार से जुड़े बच्चे अपने जीवन के संघर्षों से कतराने लगे हैं। बच्चों को लगता है कि वे चाहे जो भी करें, उनके माता पिता उन्हें सुखी देखने का कोई न कोई मार्ग तलाश ही लेंगे। इसी वजह से वे गलतियों में सुधार नहीं कर रहे, अपितु गलतियों को दोहराए जा रहे हैं, यह स्थिति विस्फोटक है।बच्चा कुछ मांगे, तो उसे उससे दोगुना देकर यह बताया जा रहा है कि उसके माता पिता बहुत समर्थ हैं। बच्चों को यह सिखाया ही नहीं जा रहा कि नल बंद करना, व्यर्थ बिजली खर्च न करना, भोजन व्यर्थ न करना, धन की बचत करना, महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहना आदि भी जीवन मूल्य हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को सिर्फ प्रेरित ही नहीं करें अपितु कठोर सच्चाइयों से भी अवगत करवाएं। उन्हें बताएं कि जीवन उतना सरल नहीं जितना वे समझ रहे हैं। बच्चों के जीवन को इतना भी सरल न बना दें कि वे संघर्ष देखते ही 'गिव अप' करने लगें यानी हार मानने लगें।गर्म आंच पर पकने के बाद भोजन स्वादिष्ट बनता है। अत: बच्चों को भी संघर्षों से तपाया जाना उचित है। अभिभावकों के अत्यधिक प्रेम के कारण बच्चों को लग रहा है कि सिर्फ जीत ही जीवन है। यह गलत सोच है। जितना जरूरी बच्चों को जीतना सिखाना है, उतना ही जरूरी है कि उन्हें संघर्ष के साथ हारना भी सिखाया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हम भी तो दोषी हैं राधिका की मौत के

क्षमा शर्मा

राधिका यादव, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बनना चाहती थी। उसने एक म्यूजिक वीडियो भी बनाया था। उसमें इनामुल हक नाम के लड़के ने काम भी किया था। इनामुल हक ने कहा कि मेरी न उससे कोई दोस्ती थी, न ही वीडियो बनाने के दौरान हमारी कोई बातचीत हुई। सवाल यह है कि इन दिनों सोशल मीडिया के जरिए जब तमाम युवा ग्लोबल हो गए हैं। तब कौन किससे बात कर रहा है, इसे कैसे रोका जा सकता है। वह कोई भी हो सकता है- हिंदू, मुसलमान, ईसाई। कैसा समाज बना रहे हैं हम। कहा जा रहा है कि पिता वीडियो बनाने से नाराज था। उसने राधिका से वीडियो डिलीट करने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया। एक लड़की अगर कुछ करना चाहती है, तो उसकी राह में इतने रोड़े क्यों हैं। खबरों में आ रहा है कि पिता पंद्रह दिनों से सोया नहीं था।

जिस दिन राधिका की मां का जन्मदिन था, वह घर की साज-सज्जा कर रही थी। रसोई में खाना पका रही थी, उसी वक्त उसे तीन गोलियां मार दी गईं। एक पिता जिसने अपनी बेटी को टेनिस खेलना सिखाया था, उसे महंगे से महंगे रैकेट लाकर दिए थे, जब उसके कंधे में चोट लग गई, तो राधिका ने टैनिस एकेडमी खोल ली। वह खूब चलने लगी। पता चला कि इससे पिता जब बाहर निकलता, तो आसपास के लोग कहते कि तुम्हारी बेटी तो तुमसे ज्यादा पैसे कमाती है। तुम उसकी कमाई खाते हो। यह घटना गुड़गांव के उस पॉश इलाके में हुई, जिसे उत्तर भारत का साइबर सिटी कहा जाता है। चमचमाती इमारतों और बड़े बहुराष्ट्रीय निगमों के दफ्तरों से ये शहर भरा पड़ा है। लेकिन इन सबसे क्या होता है, जब मन में कुछ और चल रहा हो। बेटी की कमाई पिता के लिए इतनी अपमानजनक बने कि उसकी हत्या करनी पड़े। बजाय इसके कि उसकी कमाई और कुछ करने के जज्बे की तारीफ की जाती, गर्व किया जाता, उसे मौत दे दी गई। क्यों भला। जो लड़की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी है, उसे इतनी भी आजादी नहीं कि वह कोई वीडियो बना सके। एकेडमी खोल सके। आखिर जो बातें उसकी तारीफ का कारण बनतीं, वे जान लेने का कारण कैसे बन गईं।

प्रॉपर्टी डीलर का व्यवसाय करने वाले पिता का कहना है कि वह पड़ोसियों के तानों से तंग आ चुका था। उसने राधिका से कहा था कि घर में पैसे की कोई कमी नहीं है, वह एकेडमी बंद कर दे, मगर वह नहीं मानी। आखिर वह क्यों मानती। इन दिनों कोई भी एकेडमी चलाना आसान बात नहीं है। मात्र तीन महीने की अवधि में ही यदि यह एकेडमी चल निकली और अच्छी आय होने लगी, तो इसमें उस लड़की के कितने प्रयत्न और मेहनत लगी होगी। अफसोस कि जिस पिता ने उसे सपने दिखाना सिखाया था, उन्हें पूरा करने में मदद की थी, उसी ने अपनी बेटी की जान ले ली। उन ताने मारने वालों का तो कुछ नहीं गया। कायदे से तो पुलिस को उन्हें पकड़ना चाहिए। पिता के साथ-साथ राधिका की हत्या में ऐसे लोगों की भी समान भागीदारी है, जिनसे एक पचीस साल की लड़की की सफलता नहीं देखी गई। ईर्ष्या के भाव ने, दूसरों की लड़की पर बिना कारण उंगली उठाए जाने वाली सोच ने एक पूरे परिवार को बर्बाद कर दिया। राधिका की मां पर क्या गुजर रही होगी, जिसने ऐन अपने जन्मदिन पर बेटी को खो दिया। और उसकी जान लेने वाला कोई और नहीं उसका पिता निकला। इस लेखिका की मां जो आज एक सौ सात वर्ष की होती, उसकी एक बात हमेशा याद रही। वह कहती थी कि तुम कुछ भी करो, दुनिया उसमें खोट निकालेगी। इसलिए दुनिया की परवाह न करके वह करो, जो तुम्हें ठीक लगता है। दरअसल, लड़कियों को यह महामंत्र सीखना चाहिए। यदि स्त्रियों ने दुनिया की परवाह की होती, तो आज वे हर क्षेत्र में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित न कर रही होतीं। रघुवीर सहाय के शब्दों में-पढ़िए गीता, बनिए सीता,

फिर इस सब में लगा पलीता निज घर-बार बसाइए। महान लेखिका महादेवी वर्मा ने भी ऐसा ही बहुत कुछ लिखा है, लेकिन निज घर, बार में भी चैन कहां। कभी ससुराल में मौत, तो कभी अपने ही माता-पिता द्वारा दी गई मौत। हरियाणा के सोनीपत से ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा दिया गया था। इससे बहुत कुछ बदला, लेकिन राधिका की हत्या ने जैसे हिलाकर रख दिया। राधिका का जीवन गया, पिता जेल में सड़ेगा, ऐसे में बाकी परिवार का क्या होगा, मां क्या करेगी, कौन जाने। लड़कियों को जिन कठिनाइयों का सामना विवाह के बाद करना पड़ता है, वे तो हैं ही। लेकिन अपने परिवार में भी तो उन्हें कोई कम कठिनाइयां नहीं झेलनी पड़तीं। धर्म और विज्ञान का कैसा घालमेल है कि जिस अमीनोसेंटेसिस टैस्ट और अल्ट्रासाउंड को मनुष्य के अंदरूनी रोगों को देखने के लिए बनाया गया था।

लोकतंत्र के प्रहरी की भूमिका निभाने का वक्त

मनोज झा

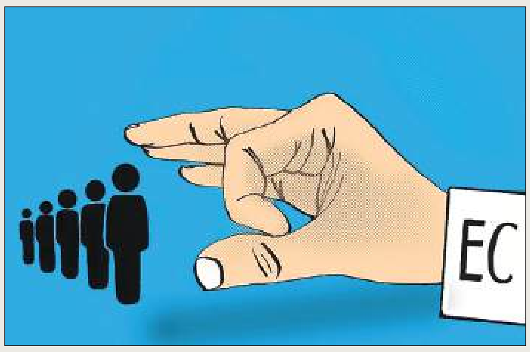

प्रिय मुख्य चुनाव आयुक्त! मैं समय के गलियारे के छोर से आपको यह चिट्ठी लिख रहा हूं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे हमारे गणतंत्र के एकदम प्रारंभिक वर्षों में यह सुनिश्चित करने का पावन काम सौंपा गया था कि प्रत्येक भारतीय, चाहे वह किसी भी जाति, पंथ, वर्ग या क्षेत्र का हो, मुक्त और बेखौफ होकर अपना वोट डाल सके। यह संवैधानिक कर्तव्य और ऐतिहासिक चिंतन की वह गहरी भावना है, जिसके आधार पर मैं आपको बताना चाहूंगा कि कैसे हमने लोकतांत्रिक स्व-शासन के एक महान प्रयोग की नींव रखी। एक ऐसा गणतंत्र, जहां प्रत्येक वयस्क, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक हैसियत कुछ भी हो, समान मताधिकार रखता है। जब मैंने 1951-52 में पहला लोकसभा चुनाव करवाया था, तब गणतंत्र शैशव काल में था, विभाजन के जख्म ताजा थे, निरक्षरता से बोझिल और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के विचार से अनभिज्ञ। फिर भी, भारतीय जनता ने चुनावी प्रक्रिया में अटूट विश्वास जताया, क्योंकि उन्हें यकीन था कि इसे संचालित करने वाली संस्था निष्पक्षता, दृढ़ता और कार्यपालिका से पूर्ण आजादी के साथ काम कर रही है।

आज, जरूरी है कि यह विश्वास डगमगाए नहीं, क्योंकि बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में आई हालिया रिपोर्टें बेहद परेशान करने वाली हैं। आरोप हैं कि यह प्रक्रिया गरीबों, भूमिहीनों और सामाजिक रूप से हाशिए के लोगों को असमान रूप से प्रभावित कर रही है, जिनके लिए मतदान का अधिकार अक्सर सशक्तीकरण का एकमात्र वास्तविक साधन रहा है। वहां चल रहा पुनरीक्षण कार्य लोगों का नाम काटने और शक्तिहीन करने वाला प्रतीत हो रहा है। दूरगामी परिणामों वाले इतने विशाल काम को, इतने कम समय में करने का प्रयास तक आपदा का नुस्खा बन सकता है। आप यह काम एक ऐसे राज्य में कर रहे हैं जहां से दूसरे राज्यों में प्रवासी कामगार बनने वालों की संख्या बहुत अधिक है।

जिसका भूगोल कुछ महीने बाढ़ से अस्त-व्यस्त रहता है। आप पर सूचना प्रकटीकरण में कंजूसी, चर्चाओं और संवाद में अड़ियल रवैया अपनाने और सबसे दुखद यह कि सार्वजनिक संवाद में आपके द्वारा लड़ाकू रुख रखने के आरोप लगते हैं। इन दिनों आलोचकों को चुप कराने के लिए नियम-पुस्तिका का वास्ता देना एक प्रकार से नैतिकतावादी हथकंडा बन गया है। नियम-पुस्तिका न्यूनतम और बुनियादी मानकों को सुनिश्चित करने के लिए होती है। करोड़ों लोगों पर उनका नाम कटने की चिंता तारी है। इस प्रक्रिया के शुरू होने के दो हफ्ते बाद भी, कई लोगों को मतदाता आवेदन फॉर्म तक नहीं मिले हैं। अपनी पात्रता सिद्ध करने को मतदाताओं के एक बड़े हिस्से के पास आपके आयोग द्वारा तय किए गए 11 दस्तावेजों में एक भी नहीं है। आमतौर पर जारी किए जाने वाले पहचानपत्र, जिनमें वोटर कार्ड भी शामिल है, को सत्यापन हेतु बेवजह अवांछित बना दिया है। इस मामले में जारी अस्पष्ट निर्देश आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन में और अधिक ऊहापोह मचा रहे हैं, जो उन्हें नौकरशाही के अंधे फैसलों के दौर से गुजरने के लिए मजबूर कर रहा है।

जिस देश में सरकार ने नागरिकता संबंधी कोई दस्तावेज ही जारी नहीं किया हो, वहां आप उनसे इस संदर्भ में, अत्यंत सटीक एवं संकीर्ण विकल्पों से अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए कह रहे हैं। उनका वजूद है, यह वह पहले ही साबित कर चुके हैं (आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा प्रमाणीकरण इत्यादि से), ये दस्तावेज जाने-माने हैं (ऐसी कई उपभोक्ता शिनाख्त प्रक्रियाएं हैं जिनके बिना आप इन दिनों फोन नम्बर तक नहीं ले सकते या एक रुपया भी इधर-उधर नहीं भेज सकते), और फिर ये वही मतदाता हैं, जिन्होंने एक साल पहले ही अपनी पसंद की सरकार को वोट दिया था। बेशक, स्वच्छ चुनावों के लिए मतदाता सूची को अपडेट करना जरूरी है, लेकिन बिहार में वर्तमान विशेष गहन पुनरीक्षण बेहद दोषपूर्ण और संभवत: अलोकतांत्रिक प्रतीत होता है। जब मैंने पहले आम चुनावों की अध्यक्षता की थी, तो हमें साजो-सामान पहुंचाने और बुनियादी ढांचा संबंधी भारी बाधाओं का सामना करना पड़ा था। फिर भी हमने यह सुनिश्चित किया कि देश के सबसे दूरदराज इलाकों में रहने वाले गरीब से गरीब नागरिकों का न केवल पंजीकरण हो, बल्कि उन्हें मतदान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया जाए।

यह एक नैतिक और संवैधानिक प्रतिबद्धता थी। कृपया यह याद रखना कि यदि मतदाता सूची से नाम काटने का औजार बन जाए, तो यह करके चुनाव आयोग न केवल जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, बल्कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 326 की मूल आत्मा का भी उल्लंघन करने का दोषी होगा। दुखद है कि चुनाव आयोग संस्था, जिसे हमने कार्यपालिका के अतिक्रमण के खिलाफ एक सुरक्षा कवच के रूप में गढ़ा था, की राजनीतिक तटस्थता पर अब प्रश्न लगे हैं। लेकिन एक सार्वजनिक संस्था के जीवन में, धारणा और विश्वसनीयता उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी कि कार्रवाई। यहां चुनाव आयोग लोकतंत्र का प्रहरी है। इसे भय या पक्षपातमुक्त स्वर में बोलना चाहिए। सबसे बढ़कर, इसे अंतिम मतदाता का विश्वास जीतना चाहिए। सुनिश्चित हो कि आपका प्रत्येक कार्य, कथन और निर्णय आयोग की निष्पक्षता को पुष्ट करने वाला रहे। यदि वर्तमान सरकार सीमा पार करती है, तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उसे संकोच सहित नहीं, बल्कि संवैधानिक साहस के साथ खींचकर वापस लाएं। इतिहास उन चुनाव आयुक्तों को याद करेगा, जिन्होंने शक्तिहीन मतदाता की रक्षा की।

मानसून के महीने में यहां बनाएं घूमने की प्लानिंग

बरसात के मौसम में पहाड़ों से गिरते झरने, हरियाली से वादियां और बादलों से ढके रास्ते किसी स्वर्ग से कम नहीं लगते। इस मौसम में घर से बाहर निकलकर प्रकृति के करीब किसी स्थल की सैर करने की चाह रहती है लेकिन घूमने के लिए जेब में अच्छी खासी रकम होना भी तो जरूरी है। हालांकि भारत खूबसूरत स्थलों से इस कदर समृद्ध है कि यहां कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं जिनकी सैर आप बजट में कर सकते हैं और मानसून का पूरा लुत्फ भी उठा सकते हैं। अगर बजट कम हो तो भी टेंशन लेने की जरूरत नहीं। भारत में ऐसी कई खूबसूरत जगहें हैं जहां आप महज 5000 रुपये के बजट में भी दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। लेकिन अगर आप घूमने का प्लान बना रहे हैं तो ये पांच लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस हैं जो नेचर लवर्स और सोलो ट्रैवलर्स के लिए जन्नत हैं।

मांडू

मध्य प्रदेश के मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम स्थल है। जुलाई से मार्च तक आप कभी भी यहां आ सकते हैं। वहीं बारिश के मौसम में मांडू में स्थित महलों की खूबसूरती और बढ़ जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ ही स्थानीय भोजन मिलाकर मांडू ट्रिप 4500 रुपये के अंदर पूरी की जा सकती है।

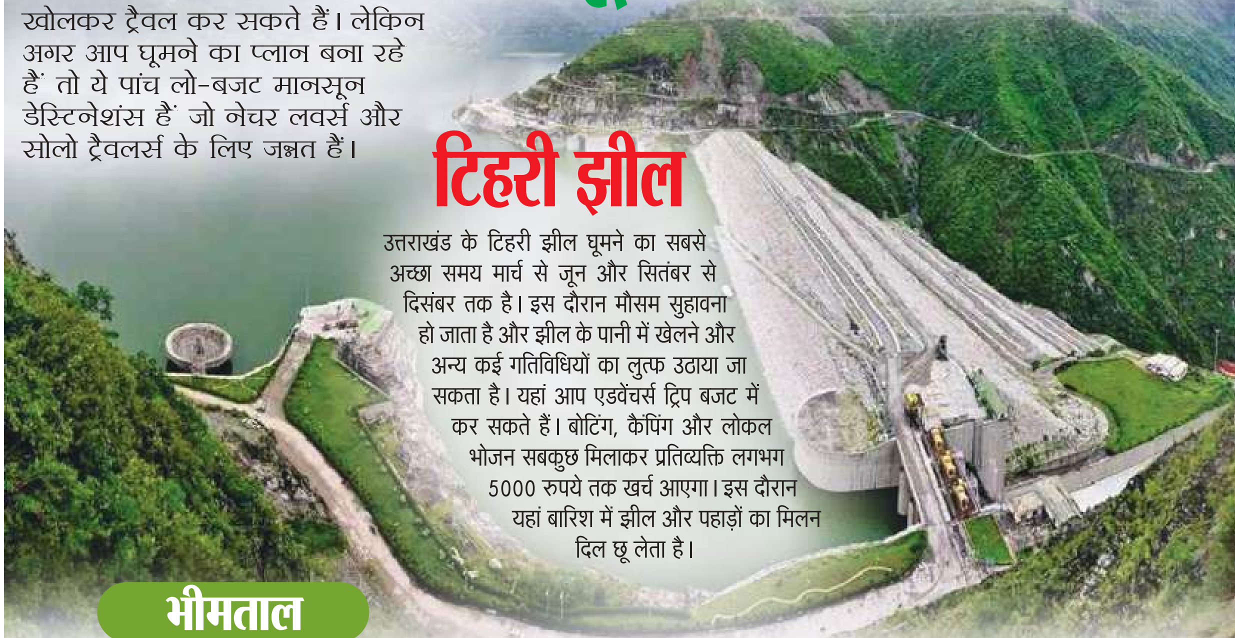

टिहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सितंबर से दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम सुहावना हो जाता है और झील के पानी में खेलने और अन्य कई गतिविधियों का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां आप एडवेंचर्स ट्रिप बजट में कर सकते हैं। बोटिंग, कैंपिंग और लोकल भोजन सबकुछ मिलाकर प्रतिव्यक्ति लगभग 5000 रुपये तक खर्च आएगा। इस दौरान यहां बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल लोकप्रिय होने के कारण यहां भीड़ ज्यादा होती है। लेकिन नैनीताल जैसे नजारों के बीच भीड़भाड़ से दूर सुकून वाली छुट्टियां बिताना चाहते हैं तो उत्तराखंड के ही भीमताल या नौकुचियाताल की यात्रा पर जा सकते है। यहां नैनीताल से कम भीड़ और ज्यादा सुकून महसूस होगा। आप झील किनारे बैठ सकते हैं, यहां बोटिंग, ट्रैकिंग और बारिश का मजा ले सकते हैं। यह मिनी हनीमून के लिए परफेक्ट जगह है।

लैंसडाउन

अगर इसी महीने सफर पर जाना चाहते हैं तो उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्के बारिश के मौसम में यह जगह बेहद सुहावनी हो जाती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी लगभग 250 किमी है। यहां आप बस के जरिए यात्रा करके आसानी से पहुंच सकते हैं। इस दौरान सस्ते होटल या होम स्टे और स्थानीय खाने का स्वाद चख सकते हैं और इन सब में आपका अधिक पैसा व्यय भी नहीं होगा। महज दो से ढाई हजार रुपये में दिल्ली से लैंसडाउन की यात्रा की जा सकती है। इस मौसम में लैंसडाउन में कई पर्यटक ताजी पहाड़ी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में यहां की हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा मनमोहक हो जाता है।

हंसना मना है

डॉक्टर- तुम रोज सुबह क्लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को क्यों घूरते हो... पप्पू- जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक!

पप्पू- मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी मिल रही है... इंस्पेक्टर - कौन दे रहा है... पप्पू - बिजली वाले। कहते हैं, बिल नहीं भरा तो काट देंगे...!!!

पुलिसवाला चौराहे पर चेकिंग कर रहा था... पुलिसवाला (पप्पू से) - इस बैग में क्या है? पप्पू - बताते हैं...! पुलिसवाले ने फिर से पूछा- अरे क्या है इसमें... पप्पू- बताते हैं... बताते हैं... पुलिसवाले ने तुरंत मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुला लिया! उन्होंने जैसे ही बैग को खोला... हवलदार बोला- साहब इसमें तो बतासे हैं! पुलिसवाला (पप्पू से)- इसमें बतासे हैं तो इतनी देर से तू बोल क्यों नहीं रहा था... पप्पू - इत्ती देल से यही तो बता लहा था ती इतमें बताते हैं बताते हैं! ये सुनकर पुलिसवाला बेहोश...

एक व्यक्ति हेलीकॉप्टर उड़ाना सीख रहा था! पांच सौ फुट की ऊंचाई पर उड़ते-उड़ते अचानक हेलीकॉप्टर नीचे आ गिरा... प्रशिक्षक ने पूछा - क्या हुआ... जवाब मिला - कुछ नहीं, ऊपर जाकर मुझे ठंड लगने लगी, सो मैंने पंखे बंद कर दिए थे...

कहानी | मदद

एक दिन मैं शहर जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचा, लेकिन ट्रेन निकल चुकी थी। अब दूसरी ट्रेन दोपहर की थी। मैंने सोचा कही नाश्ता कर लिया जाए। मैं होटल की ओर जा रहा था। अचानक मेरी नजर फुटपाथ पर बैठे दो बच्चों पर पड़ी। बच्चों की हालत बहुत खराब थी। वे भूखे लग रहे थे। छोटा बच्चा बड़े को खाने के बारे में कह रहा था और बड़ा उसे चुप कराने की कोशिश कर रहा था। मैं अचानक रुक गया। मैं उन्हें दस रु. देकर आगे बढ़ गया तुरंत मेरे मन में एक विचार आया कितना कंजूस हूं मैं! दस रु. का क्या मिलेगा? स्वयं पर शर्म आयी फिर वापस लौटा। मैंने बच्चों से कहा-कुछ खाओगे? जी। मैं नाश्ता करने जा रहा हूं, तुम भी कर लो! मेरे पीछे पीछे वे होटल में आ गए। उनके कपड़े गंदे होने से होटल वाले ने डांट दिया और भगाने लगा। मैंने कहा भाई साहब! उन्हें जो खाना है वो उन्हें दो, पैसे मैं दूंगा। होटल वाले ने आश्चर्य से मेरी ओर देखा..! उसकी आंखों में उसके बर्ताव के लिए शर्म साफ दिखाई दी। सेल्फ सर्विस के कारण मैंने नाश्ता बच्चों को लेकर दिया। बच्चे जब खाने लगे , उनके चेहरे की ख़ुशी कुछ निराली ही थी। मैंने भी एक अजीब आत्म संतोष महसूस किया। मैंने बच्चों को कहा बेटा! अब जो मैंने तुम्हे पैसे दिए हैं उसमें एक रु. का शैम्पू ले कर हैण्ड पम्प के पास नहा लेना। और फिर दोपहर शाम का खाना पास के मन्दिर में चलने वाले लंगर में खा लेना। वहां आसपास के लोग बड़े सम्मान के साथ देख रहे थे। होटल वाले के शब्द आदर में परिवर्तित हो चुके थे। मैं स्टेशन की ओर निकला, थोडा मन भारी लग रहा था। रास्ते में मैंने मंदिर की ओर देखा और कहा- हे भगवान! आप कहां हो? इन बच्चों की ये हालत! ये भूख आप कैसे चुप बैठ सकते हैं! फिर सोचा अभी तक जो उन्हें नाश्ता दे रहा था वो कौन था? क्या तुम्हें लगता है तुमने वह सब अपनी सोच से किया? मैं स्तब्ध हो गया! मेरे सारे प्रश्न समाप्त हो गए। ऐसा लगा जैसे मैंने ईश्वर से बात की हो! मुझे समझ आ चुका था हम निमित्त मात्र हैं। भगवान हमें किसी की मदद करने तब ही भेजता है , जब वह हमें उस काम के लायक समझता है। यह उसी की प्रेरणा होती है। किसी मदद को मना करना वैसा ही है जैसे भगवान के काम को मना करना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। तत्काल लाभ नहीं होगा। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा।

तुला — बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

वृषभ — सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा।

वृश्चिक — वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। काम में मन नहीं लगेगा।

मिथुन — आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु — शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

कर्क — वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मकर — व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। भाग्य का साथ मिलेगा।

सिंह — आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा।

कुम्भ — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी।

कन्या — दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। लेन-देन में सावधानी रखें। लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे।

मीन — रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा।

बॉलीवुड | एलान

मराठी भाषा विवाद पर बोले आशुतोष राणा- कहा, संवाद में विश्वास रखता है भारत

बीते कुछ दिनों से महाराष्ट्र में मराठी भाषा विवाद चल रहा है। इस पर कई फिल्मी सितारे अब तक प्रतिक्रिया दे चुके हैं। अब हाल ही में अभिनेता आशुतोष राणा ने इस पर अपनी बात रखी। एक्टर से उनकी आगामी फिल्म हीर एक्सप्रेस के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान इससे जुड़ा सवाल किया गया। इस पर उन्होंने शानदार जवाब दिया है। आशुतोष राणा से पूछा गया कि मराठी भाषा को लेकर इतना विवाद चल रहा है। उस पर आप क्या कहेंगे? इस पर एक्टर ने मजाकिया अंदाज में मराठी भाषा में जवाब देते हुए कहा मेरी बाइको मराठी है। उनसे जब पूछा गया कि आप घर पर क्या करते हैं? इस पर अभिनेता ने कहा, भाषा संवाद का विषय होती है, भाषा विवाद का विषय नहीं होती है। संवाद में विश्वास रखता है भारत। भारत कभी भी विवाद में विश्वास नहीं रखता। आशुतोष राणा ने आगे लिखा, भारत इतना परिपक्व और अद्भुत देश है कि जहां पर इसने सारी चीजों को स्वीकार किया है। भारत संवाद में विश्वास रखता है। एक्टर के इस रिएक्शन ने लोगों का दिल जीत लिया है और हर कोई तारीफ कर रहा है। एक यूजर ने लिखा, आशुतोष राणा किसी भी विषय पर बोलें शानदार बोलते हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा, सही कहा बिल्कुल। एक यूजर ने लिखा, आपने कितनी अच्छी भाषा में यह बात समझाई है। बात करें फिल्म हीर एक्सप्रेस की तो इसमें आशुतोष राणा के अलावा दिविता जुनेजा और प्रीत कमानी लीड रोल में नजर आएंगे। उमेश शुक्ला ने फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म के जरिए दिविता जुनेजा बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक भी इस फिल्म में नजर आएंगे। यह फिल्म 8 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज होगी।

जरीन ने ठुकरा दिया सलमान खान का शो 'बिग बॉस', बोलीं-

मैं दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी, मेरा हाथ उठ जाएगा

सलमान खान के साथ बॉलीवुड में करियर की शुरू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान ने हाल ही में बिग बॉस शो को लेकर अपनी राय दी है। इसक अलावा उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने इस शो में शामिल होने के ऑफर को ठुकरा दिया था। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस जरीन खान ने क्या बताया।

अभिनेत्री जरीन खान हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। वहां उन्होंने बिग बॉस के बारे में कहा, 'मुझे वो शो बहुत पसंद है। बीच में मैंने शायद सिर्फ दो-तीन सीजन ही मिस किए हों, लेकिन मैं उसे देखती हूं।' आगे उन्होंने शो को ठुकराने को लेकर बताया, 'सबसे पहले तो मेरे ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मैं खुद को तीन महीने के लिए कहीं अलग करके रहने के बारे में सोच भी नहीं सकती। मुझे नहीं लगता कि मेरा घर मेरे बिना चल पाएगा, मैं आर्थिक रूप से बात नहीं कर रही हूं। मुझे 10 हजार चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर मैं एक दिन के लिए भी बाहर जाती हूं, तो मैं अपनी मां को पांच-सात बार फोन करके उनकी सेहत और दूसरी चीजों के बारे में पूछती हूं। तो, यही सबसे पहला फैक्टर है।'

आगे बातचीत के दौरान जरीन खान ने कहा, 'दूसरी बात, मुझे नहीं लगता कि मैं इतने सारे लोगों के साथ एक घर में रह सकती हूं जिन्हें मैं नहीं जानती। मैं दोस्त बनाने में समय नहीं लगाती, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितनी सहज रहूंगी। इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह है कि बेकार बात मुझे बर्दाश्त नहीं होती। मैं दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी। मेरा हाथ उठ जाएगा, फिर मुझे बाहर ही फेंक देंगे। इसलिए, बेहतर है कि मैं न जाऊं। मैं जानती हूं कि मेरा हाथ उठ जाएगा।'

अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था वीर, जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आई थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

फिल्म 'वॉर 2' का नया पोस्टर जारी, ऋतिक और जूनियर की जोड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया

यशराज फिल्म्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से 'वॉर 2' का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर में फिल्म के तीनों लीड एक्टर्स ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी नजर आ रहे हैं। पोस्टर में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के किरदार के बीच जबरदस्त टक्कर की झलक है। इस पोस्टर पर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं।

'वॉर 2' के पोस्टर में ऋतिक हाथों में तलवार लिए इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। जबकि जूनियर एनटीआर भी गुस्से में हैं। वहीं कियारा आडवाणी हाथ में बंदूक लिए दिख रही हैं। साथ ही पोस्टर में नीचे ऋतिक और जूनियर एनटीआर बोट पर एक-दूसरे का सामना कर रहे हैं। ऋतिक को अपनी एक्शन इमेज के लिए बॉलीवुड में जाना जाता है, वहीं जूनियर एनटीआर भी साउथ फिल्मों के बड़े एक्शन स्टार हैं। अब दोनों को दर्शक फिल्म वॉर 2 में जबरदस्त एक्शन करते हुए देखेंगे।

'वॉर 2' फिल्म के इस नए पोस्टर को फैंस ने भी खूब पसंद किया है। यूजर्स ने इस पर खूब रिएक्शन दिए हैं। एक यूजर्स लिखता है, 'मुझे यह पोस्टर अच्छा लगा।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'जय एनटीआर।' वहीं ऋतिक के फैंस ने भी कमेंट सेक्शन में हाजिरी लगाई। ऋतिक के लुक पर फायर और हार्ट इमोजी बरसाए हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की यह फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। महज 30 दिन ही इस फिल्म को रिलीज होने के लिए बचे हैं। यह फिल्म हिंदी के अलावा तेलुगु और तमिल भाषाओं में भी रिलीज होगी। फिल्म के डायरेक्टर अर्यान मुखर्जी हैं।

अजब-गजब | रहस्यों से भरा पहाड़!

छतरपुर का वो पहाड़ जिस पर जो गया...उसने वहां के बारे में कुछ बताया तो हुई अनहोनी

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर के गौरिहार जनपद के अंतर्गत आने वाले प्रकाश बम्होरी गांव में एक ऐसा भी पहाड़ है, जो चमत्कार के लिए जाना जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक, जब बारिश होती है, तो इस पहाड़ से बारिश का पानी नीचे नहीं आता है। कितनी भी बारिश हो जाए लेकिन पहाड़ से पानी कभी भी रिसता नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ के ऊपर तालाब, गुफाएं और जंगली जानवर रहते हैं। साथ ही यहां पुराने संत तपस्या भी करते थे लेकिन गांव वाले वहां तक पहुंच नहीं पाते हैं। जो भी वहां पहुंच जाता है, उसे यह राज छिपाना होता है। अगर नहीं छिपाता है, तो उसके साथ कुछ अनहोनी हो जाती है।

बम्होरी गांव के रहने वाले रामदास गौतम (90) लोकल 18 को बताते हैं कि हमारे पुरखे भी बताते आए हैं कि यह पहाड़ चमत्कारी पहाड़ है। यहां भगवान कालेश्वर बाबा महाराज का स्थान है। कालेश्वर भगवान की ही शक्ति है कि इस पहाड़ की लकड़ी कोई भी नहीं काटता है। वहीं कितनी भी भयंकर बारिश हो जाए लेकिन इस पहाड़ में सारा का सारा पानी समा जाता है। यह पानी नीचे भी देखने को नहीं मिलता है। आपको कुछ देर के लिए पानी दिखेगा लेकिन इसके बाद यह पानी कहीं समा जाता है।

राज बताने वाले के साथ होती है अनहोनी?

वह आगे बताते हैं कि इस पहाड़ पर तालाब हैं, गुफाएं हैं और जंगली जानवर रहते हैं। यहां संत मुनि भी तपस्या करते थे, हालांकि उन्होंने तो आज तक नहीं देखा है लेकिन जिसने भी देखा है, उसने अगर किसी को बताया है, तो उसके साथ कुछ अनहोनी हो जाती है। वहां तक पहुंचना आसान नहीं होता है। सिर्फ कालेश्वर भगवान के दर्शन ही लोग कर पाते हैं। इसके आगे पहाड़ पर वो नहीं जा पाते हैं।

पहाड़ को नुकसान पहुंचाया, तो विनाश तय

गांव के लोगों का मानना है कि इस पहाड़ की गुफाओं में आज भी तपस्वी तप करते हैं लेकिन कोई उन्हें देख नहीं सकता। पहाड़ के शिखर पर कालेश्वर मंदिर स्थित है, जहां भक्त नमन करते हैं। गांववालों का कहना है कि अगर किसी ने अनजाने में गलती की, तो भगवान क्षमा कर देते हैं लेकिन जिसने जान-बूझकर पहाड़ को नुकसान पहुंचाया, तो उसका विनाश तय है।

अजीब सी है ये बीमारी, केवल आधा चेहरा हो जाता है लाल, लाखों में किसी को ही होती है ये!

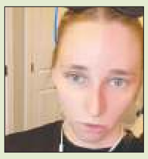

इंसानी शरीर को कई तरह के रोग ऐसे भी जो बहुत हैरान भी करते हैं। कुछ तो लाइलाज हैं और कुछ तो हजारों लाखों में किसी एक को ही होते हैं। इस तरह की बीमारियों का इलाज भी बहुत मुश्किल होता है। वहीं कुछ बहुत स्थायी या फिर अस्थायी होने पर भी जानलेवा हालत नहीं बनाते हैं। ऐसी ही एक दुर्लभ और लेकिन हैरान करने वाली हेल्थ कंडीशन ने लोगों का ध्यान खींचा है। इसे हार्लेक्विन सिंड्रोम कहते हैं। फिजिकल थेरेपिस्ट सिडनी पैट्रिस इससे ग्रस्त हैं। उन्होंने अपनी कहानी सोशल मीडिया पर शेयर की है। बाल्टीमोर की 26 वर्षीय फिजिकल थेरेपिस्ट सिडनी पैट्रिस ने इस विकार के बारे में बताया है। यह एक दिमाग की नसों के सिस्टम की स्थिति है। इसमें चेहरा आधा लाल और पसीने से तर हो जाता है। दूसरा हिस्सा पूरी तरह सूखा रहता है। उन्होंने बताया कि व्यायाम के दौरान उनका चेहरा आधा लाल हो जाता है। यह हिस्सा पसीने से भीग जाता है। लेकिन चेहरे का दूसरा हिस्सा सफेद और सूखा रहता है। सिडनी ने कहा, पिछले साल मेरी गर्दन की सर्जरी में एक नस खराब हो गई। इस वजह से यह कंडीशन बनी। न्यूरोसर्जन डॉ. बेट्सी ग्रंच ने इस कंडीशन को समझाया। उन्होंने कहा कि यह न्यूरोसिस्टम के नुकसान से होता है। यह सिस्टम हमारी लड़ो या भागो प्रतिक्रिया को काबू में रखता है। तनाव में हमारी आंखें बड़ी हो जाती हैं। चेहरा लाल हो जाता है। पसीना आता है। मुंह सूख जाता है। यह सब रीढ़ के सामने मौजूद सिम्पैथी चेन के जरिए होता है। जब यह चेन क्षतिग्रस्त होती है, तो दो समस्याएं हो सकती हैं। पहली है हॉर्नर सिंड्रोम। इसमें पलकें झुक जाती हैं, पुतलियां सिकुड़ जाती हैं, और चेहरे का एक हिस्सा बिना पसीने के रहता है। दूसरी कंडीशन है हार्लेक्विन सिंड्रोम। इसमें चेहरा आधा लाल और पसीने से तर हो जाता है, जबकि दूसरा हिस्सा सूखा रहता है। डॉ. ग्रंच ने बताया कि दोनों तरफ सिम्पैथी चेन होती हैं। हर चेन चेहरे के एक हिस्से को नियंत्रित करती है। अगर एक तरफ नुकसान होता है, तो केवल वही हिस्सा प्रभावित होता है। यह स्थिति आमतौर पर गर्दन की सर्जरी से हो सकती है। इसमें रीढ़ के सामने वाले हिस्से पर ऑपरेशन होता है। लेकिन यह बहुत दुर्लभ है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, अमेरिका में 1,000 से कम लोग इससे प्रभावित हैं। इसकी पहली बार रिपोर्ट 1988 में हुई थी। हार्लेक्विन सिंड्रोम आमतौर पर अस्थायी और हानिरहित है। लेकिन कुछ मामलों में लक्षण स्थायी हो सकते हैं। सिडनी को शायद दोनों सिंड्रोम हैं। यह असाधारण है, क्योंकि दोनों में सिम्पैथी चेन की चोट शामिल है। सिडनी की कहानी ने सोशल मीडिया पर ध्यान खींचा। लोगों को यह अनोखी स्थिति आश्चर्यजनक लगी। यह खबर स्वास्थ्य और दुर्लभ बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाती है। हार्लेक्विन सिंड्रोम गंभीर नहीं है, लेकिन यह जीवन को असहज बना सकता है।

दिग्विजय सिंह की पोस्ट से गरमाई सियासत

कांवड़ यात्रा और नमाज की दो फोटो की शेयर

» मप्र के पूर्व सीएम ने लिखा- एक देश, दो कानून कैसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट को शेयर करने पर मध्यप्रदेश की सियासी माहौल गरमा गया है। उन्होंने कांवड़ यात्रा और नमाज के अलग-अलग दो फोटो पर एक देश में दो कानून पर सवाल उठाती एक पोस्ट को शेयर किया गया है। इस टिप्पणी को लेकर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। दिग्विजय सिंह ने अपने फेसबुक अकाउंट पर दो तस्वीरें साझा कीं। एक में कांवड़ यात्रा के दौरान सड़कों पर श्रद्धालु नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी तस्वीर में नमाज पढ़ते हुए लोग दिखाए गए हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, एक देश, दो कानून। इस सवाल को लेकर विवाद शुरू हो गया है।

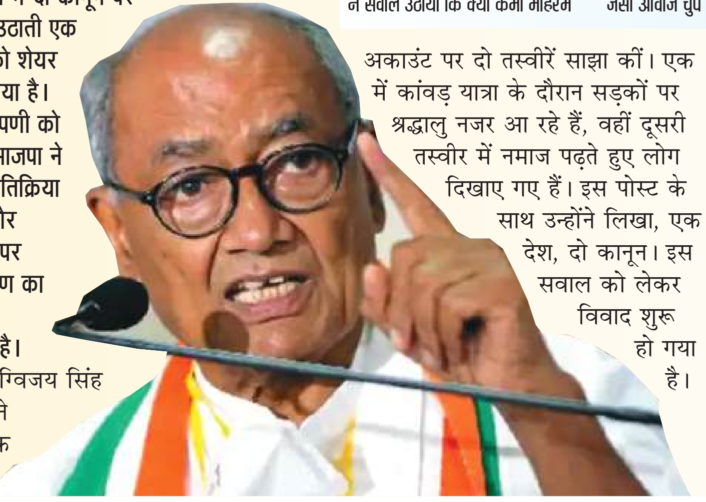

संस्कृति बचाओ मंच ने दिग्विजय की पोस्ट पर जताई आपत्ति

संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की उस सोशल मीडिया पोस्ट का कड़ा विरोध किया है जिसमें उन्होंने श्रावण माह में कांवड़ यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं की तुलना नमाज अदा कर रहे लोगों से की है। तिवारी ने कहा कि यह तुलना पूर्णतः अनुचित और सनातन संस्कृति का अपमान है। मंच ने सवाल उठाया कि क्या कभी मोहर्रम के जुलूस पर सनातन धर्म के अनुयायियों ने पथराव किया है? नहीं किया? उन्होंने कहा कि इसके विपरीत शिवरात्रि, हनुमान जयंती, रामनवमी और होली जैसे त्योहारों के जुलूसों पर मुस्लिम समुदाय द्वारा पथराव की घटनाएं कई बार सामने आई हैं। तब दिग्विजय सिंह जैसी आवाजें चुप रहती हैं। तिवारी ने कहा कि यदि आप स्वयं को कट्टर सनातनी कहते हैं, तो कम से कम श्रावण माह जैसे पवित्र समय में सनातन धर्म और श्रद्धालुओं का सम्मान करें- यदि सम्मान नहीं कर सकते, तो अपमान भी न करें।

मौलाना दिग्विजय केवल सनातन धर्म का विरोध करते हैं : सारंग

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दिग्विजय सिंह की कांवड़ यात्रा को लेकर की गई टिप्पणी पर कहा कि मौलाना दिग्विजय सिंह केवल सनातन धर्म का विरोध करते हैं और अब कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजन को भी विवादास्पद बनाना चाहते हैं। सारंग ने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह वही व्यक्ति हैं जिन्होंने जाकिर नायक का महिमामंडन किया, आतंकियों को संरक्षण देने की बात की, सेना के ऑपरेशनों पर सवाल उठाए। वे तुष्टिकरण की राजनीति को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह लगातार हिंदू धर्म, संतों और त्योहारों का अपमान करते आए हैं, भगवा आतंकवाद जैसे शब्द गढ़कर उन्होंने सनातन धर्म को बदनाम करने का प्रयास किया। मंत्री सारंग ने स्पष्ट किया कि हिंदू और सनातन धर्म के त्योहारों पर इस तरह की टिप्पणियां अब सहन नहीं की जाएंगी। उन्होंने मांग की कि दिग्विजय सिंह को इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

ट्रॉमा सेंटर में दलालों का है बोलबाला

» पुलिस व प्रशासन की अनदेखी से लोग परेशान

» एम्बुलेंस चालक पर दो बार हमला, पुलिस मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में दलालों की सक्रियता को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। कहा जा रहा है कि ये दलाल घायल या गंभीर मरीजों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाते हैं, जहां मोटी रकम वसूली जाती है। 4पीएम ने 6महीने पहले ही ट्रामा सेंटर के बाहर दलाली करने वालों के नाम और चेहरे किए थे उजागर जिसके बाद प्रशासन की सुस्त कार्रवाई से मनबढ़ गया दलालों का अब खुले आम बीच सड़क मारपीट जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे है कल रात दलालों के हंगामे से अफरा तफरी मच गई। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कुछ दलालों को अपनी हिरासत में लिया आखिर कब तक ये दलाली ऐसे ही चलती रहेगी किया

दलालों के सिंडिकेट का 4पीएम ने पहले ही किया था खुलासा

दलालों के नाम और निजी अस्पताल से कथित सांठगांठ

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों में सुमित, अभिनव उर्फ चोमू, सौरभ, अफताब, जैद और कुछ अज्ञात लोग शामिल हैं। आरोप है कि ये सभी यूनाइटेड हॉस्पिटल नामक निजी अस्पताल से जुड़े हैं, जहां से पूरा दलाली नेटवर्क संचालित होता है।सूत्रों का दावा है कि सुमित नामक दलाल अब इस निजी अस्पताल में पार्टनरशिप भी कर चुका है।

किसी बड़ी घटना के इंतेज़ार में है पुलिस।स्थानीय सूत्रों और पीड़ितों का दावा है कि यह पूरा नेटवर्क चौक पुलिस की मिलीभगत से फल-फूल रहा है, जिससे इस अवैध धंधे पर रोक लगाने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। वहीं 12 जुलाई 2025 को एक ताजा मामला सामने आया, जब एम्बुलेंस चालक रजी अहमद ने चौक थाने में कुछ दलालों के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज की शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि पुलिस ने इस शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया।

वनडे में भारतीय महिला टीम की जीत से शुरुआत

» पहले मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

साउथैम्पटन। टी20 सीरीज जीतने के बाद वनडे सीरीज जीतने के इरादे से उतरी भारतीय टीम ने पहले मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिश टीम ने 50 ओवर में छह विकेट गंवाकर 258 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 48.2 ओवर में छह विकेट पर 262 रन बनाकर मैच जीत लिया। दीप्ति शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। अगला वनडे 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से अपने नाम किया था।

इंग्लैंड की कप्तान नैट शीवर ब्रंट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की ओपनिंग खराब रही थी। 20 रन तक टीम ने दो विकेट गंवा दिए थे। उसके बाद कुछ पाटनरशिप के चलते इंग्लैंड ने निर्धारित ओवर में 258 रन ही बना सकीं। वहीं 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत ठीक ठाक रही। स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने पहले विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी निभाई। वहीं, प्रतिका ने फिर दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। फिर जेमिमा रॉड्रिग्स ने दीप्ति शर्मा के साथ मिलकर पारी संभाली। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी हुई। दीप्ति ने फिर अमनजोत कौर के साथ मिलकर टीम इंडिया को जीत दिलाई।

रूट ताजा टेस्ट रैंकिंग में फिर बने नंबर एक बल्लेबाज

दुबई। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक बार फिर से नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी को बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में रूट ने एक सप्ताह के अंदर ही दोबारा शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। दूसरी ओर, भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट को भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन का फायदा हुआ है। 34 साल की उम्र में रूट 2014 में कुमार संगकारा के बाद टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज बनने वाले उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। संगकारा जब 2014 में शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज बने थे तो उनकी उम्र 37 साल की थी। वहीं यशस्वी जायसवाल और पंत को नुकसान हुआ है और वे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। वहीं, गिल भी तीन स्थान के नुकसान से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं और रबाडा पर 50 अंक की बढ़त बनाई हुई है।

लखनऊ को स्वच्छ भारत सर्वेक्षण में तीसरा स्थान

» 10 लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों में मिला है यह अवॉर्ड

» राष्ट्रपति ने टॉप शहरों को किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा, मेयर सुषमा खर्कवाल और पूर्व नगर आयुक्त आईएएस इंद्रजीत सिंह को सम्मानित किया है। लखनऊ देश का तीसरा सबसे साफ शहर बन गया है।स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 की लिस्ट जारी हो गई है। इसमें लखनऊ ने पिछली बार से 41 अंकों की छलांग लगाते हुए तीसरा स्थान पाया। वहीं, नंबर-1 पर अहमदाबाद का नाम है। अहमदाबाद पिछली बार 5वें पायदान पर था।केंद्र सरकार द्वारा जारी स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में अहमदाबाद देश का सबसे साफ शहर बना है।

भोपाल ने भी पिछले साल के 5वें स्थान से उछाल मारते हुए दूसरा स्थान पाया, लेकिन सबसे चौंकाने वाली और उत्साहजनक छलांग लखनऊ की रही, जिसने 44वें पायदान से सीधा तीसरे स्थान पर पहुंचकर सभी को चौंका दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में देश के सबसे स्वच्छ शहरों को सम्मानित किया। स्वच्छता सर्वेक्षण में लखनऊ की यह उपलब्धि केवल सफाई की नहीं, बल्कि शहर की पहचान, छवि और प्रशासन की जवाबदेही का भी प्रमाण है। वर्षों से स्वच्छता के मामले में पिछड़ता आया लखनऊ अब देशभर में मिसाल बनने की ओर अग्रसर है। भोपाल दूसरे, लखनऊ तीसरे नंबर पर। बता दें इस बदलाव का सबसे बड़ा श्रेय लखनऊवासियों को भी जाता है। घर-घर से कूड़ा छंटाई, खुले में कूड़ा फेंकने पर रोक और साफ-सफाई को लेकर बढ़ी जागरूकता ने नगर निगम की मुहिम को जन आंदोलन में बदल दिया।

नगर निगम को मिला मेहनत का इनाम

बीते एक साल से नगर आयुक्त और उनकी टीम ने बीते एक साल में साफ-सफाई को लेकर कई बड़े कदम उठाए। कूड़ा प्रबंधन से लेकर वार्डों में नियमित सफाई, जनभागीदारी, जागरूकता अभियान और डिजिटल निगरानी से लखनऊ की तस्वीर बदली गई। इसी का नतीजा है कि शहर देश के टॉप-3 साफ शहरों की सूची में शामिल हुआ।

सूदखोरों के आगे नतमस्तक अंबेडकर नगर की पुलिस

» कोर्ट व राज्य सरकार की चेतावनी भी काम नहीं आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सूदखोरों के आगे अंबेडकर नगर के अलीगंज थाने के पुलिस नतमस्तक है। क्षेत्रीय नागरिकों का उत्पीड़न जोरो पर है। वहीं सिविल प्रकरणों को फौजदारी का रंग देने की उत्तर प्रदेश पुलिस की कानपुर कमिश्नरेट की कार्यवाही का संज्ञान लेते हुए उच्चतम न्यायालय की लताड़ एवं प्रदेश सरकार के 50,000/- की शक्ति के बाद भी अंबेडकर नगर पुलिस नहीं चेत रही है।

इस सम्बन्ध में टांडा अंबेडकर नगर निवासी मोहम्मद शारिक ने बताया कि आंबेडकर नगर के सूदखोर फ़िरोज़ खान उर्फ़ फ़िरोज़ कबाड़ी क्षेत्र में भोले भाले लोगों को उनकी मजबूरी का फायदा उठाते हुए बैंक रेट से दस गुना रेट पर लोन दे कर उनको पुलिस के माध्यम से वसूली करवाता है, और उसी सूदखोर ने पहले उनके विरुद्ध टांडा थाने में मुकदमा कायम कराया और पुनः अपनी सगी बहन शाहीना खातून के माध्यम से उसके द्वारा थाना अलीगंज में प्रार्थना पत्र दे कर थाने के दरोगा हरिकेश यादव के माध्यम से उसपर दबाव बनवाया।

निर्वाचन आयोग भाजपा की 'इलेक्शन चोरी' शाखा बन चुका है : राहुल गांधी

» पत्रकार पर एफआईआर से नाराज हुए नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ बिहार में दर्ज प्राथमिकी को लेकर बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और सवाल किया कि यह क्या 'इलेक्शन कमीशन' है या फिर पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी की 'इलेक्शन चोरी' शाखा बन चुका है।

बिहार के बेगूसराय में विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने के आरोप में वरिष्ठ पत्रकार अजीत अंजुम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह कार्रवाई उनके यूट्यूब चैनल पर 12 जुलाई को अपलोड किए गए एक वीडियो के आधार पर की गई है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, बिहार में चुनाव आयोग एसआईआर के नाम पर वोट चोरी करते हुए रंगे हाथपकड़ा गया। काम सिर्फ़ चोरी, नाम एसआईआर- पर्दाफाश करने वाले पर होगी एफआईआर।

एसआईआर के लिए और समय दे चुनाव आयोग : चंद्रबाबू नायडू

बिहार में इन दिनों चुनावी माहौल है और हर तरफ राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए अपने-अपने स्तर पर कई कार्य कर रहे हैं। वहीं, इन सबके बीच बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शब्द काफी चर्चा में है क्योंकि प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची का स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू करवाया गया है, जिसपर जमकर राजनीति भी देखने को मिल रही है। इस बीच, केंद्र सरकार की अहम सहयोगी और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ तेलुगू देशम पार्टी ने वोटर लिस्ट में संशोधन के लिए किए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से बड़ी अपील की है। चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेलुगू देशम पार्टी ने चुनाव आयोग से अपील की है कि आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और यह प्रक्रिया किसी बड़े चुनाव से छह महीने पहले तक न कराई जाए। टीडीपी ने कहा कि जो लोग पहले से ही ताजा वोटर लिस्ट में शामिल हैं, उन्हें दोबारा अपनी पहचान या पात्रता साबित करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। बता दें कि, टीडीपी की यह मांग ऐसे समय में आई है जब बिहार में इसी तरह की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद चल रहा है। वहां विपक्षी दलों ने आरोप लगाए हैं कि चुनाव से ठीक पहले की जा रही इस प्रक्रिया में नए वोटरों पर सबूत देने की जिम्मेदारी डाल दी गई है, जिससे भ्रम और असंतोष फैल रहा है।

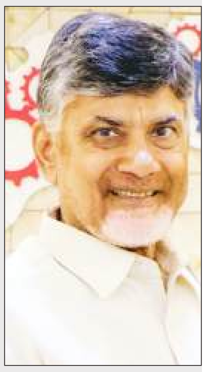

पहलगाम हमले पर फिर उठे सवाल

नेंका व एआईएमआईएम ने पीएम पर साधा निशाना, बोले उमर-26 जानें गईं...तो जवाबदेही भी होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पहलगाम हमले पर फिर एकबार सवाल उठे है। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला व एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुदीन ओवेसी ने मोदी सरकार को घेरा है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में कहा कि पहलगाम हमले में सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की चूक स्वीकार की गई है तो जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले में इंटेलीजेंस की चूक को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने 13 और 14 जुलाई की घटना पर ज्यादा कुछ बोलने से इन्कार कर दिया। सीएम अब्दुल्ला ने एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि 26 लोगों की जान चली जाए और कोई जिम्मेदार न हो।उन्होंने कहा कि 80 दिन बाद ही सही शायद कहा गया है कि पहलगाम हमला खुफिया एजेंसियों की विफलता थी। किसी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। 13 व 14 जुलाई के घटनाक्रम पर अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण था और ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने कहा, हम कोई कानून नहीं तोड़ रहे थे। प्रतिबंध 13 जुलाई के लिए थे, 14 जुलाई के लिए नहीं। उन्होंने समर्थन दिखाने के लिए पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के अपने समकक्षों सहित सभी राजनीतिक नेताओं का आभार व्यक्त किया। ये भी कहा कि जो हुआ सो हुआ, हम ज्यादा बात नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं का व्यापार नहीं करेंगे। अब्दुल्ला ने कहा, हम यहां किसी के एहसान के कारण नहीं हैं। अगर किसी ने हम पर एहसान किया है तो वह सर्वशक्तिमान ईश्वर और जम्मू-कश्मीर के मतदाता हैं।

हमारी विनम्रता को कमजोरी न समझा जाए : सीएम अब्दुल्ला

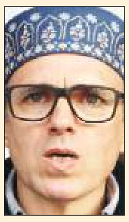

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी विनम्रता को कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। कुछ लोग सोचते हैं कि हम कमजोर हैं, क्योंकि हम धमकियों और डराने-धमकाने में शामिल नहीं होते, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम कमजोर नहीं हैं।

पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया जाए ऑपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिए : ओवैसी

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया जाना चाहिए और ऑपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिए। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में सुरक्षा चूक के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की है, जहाँ 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। हैदराबाद के सांसद ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की हालिया टिप्पणी को लेकर भी उन पर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकी हमले में सुरक्षा विफलता की जिम्मेदारी वह लेते हैं। ओवैसी ने कहा कि सिन्हा घटना के लगभग तीन महीने बाद ज़िम्मेदारी ले रहे हैं। अगर वह इसके लिए ज़िम्मेदार हैं तो उन्हें अपना पद छोड़ देना चाहिए।'' केंद्र की ओर इशारा करते हुए एआईएमआईएम अध्यक्ष ने कहा, पहलगाम का बदला लिया जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर जारी रखें।

पहलगाम में गोलियां बरसाने वाले आतंकवादियों की पहचान हुई, जल्द ही उन्हें मार गिराएंगे : एलजी

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें मार गिरा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए पाकिस्तान को कड़ी प्रतिक्रिया मिली। हमले को अंजाम देने वालों की पहचान कर ली गई है और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अब उनका जिंदा रहना मुश्किल है। अच्छी खबरें जरूर आएंगी, लेकिन कोई निश्चित तारीख बताना उचित नहीं होगा।卐 मनोज सिन्हा ने कहा कि पिछले पांच साल में विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष आका भी अब जिंदा नहीं रहे और उनका (आतंकियों का) भी यही हश्र होगा। हम आपको यह भी बता दें कि पिछले दिनों एक अखबार को दिये साक्षात्कार में मनोज सिन्हा ने कहा था कि वह पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने देर से ही सही, लेकिन आखिरकार स्वीकार कर लिया कि पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता जिम्मेदार थी।

इराक के शॉपिंग मॉल में लगी भीषण आग

अंदर फंसे 60 लोगों की जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बगदाद। इराक के एक शॉपिंग मॉल में भीषण आग लगने पर 60 लोग जिंद जलकर मर गए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक दावा किया जा रहा है कि यह हादसा इराक के अल-कुट के एक सुपरमार्केट में हुआ है। वायरल तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि इमारत के बड़े हिस्से में आग लगी हुई है और धुएं का गुबार निकल रहा है।

हादसे से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म काफी वायरल हो रहा है, जिसमें पांच मंजिला इमारत आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है, जबकि दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वासित प्रांत के गवर्नर मोहम्मद अल-मियाही ने बताया, एक बड़े शॉपिंग सेंटर में लगी इस आग में मरने वाले पीड़ितों की संख्या लगभग 60 हो गई है. हालांकि, आग लगने का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन आईएनए के अनुसार, गवर्नर ने कहा कि जांच के प्रारंभिक निष्कर्ष 48 घंटों के भीतर जारी किए जाएंगे। वासित प्रांत के गवर्नर मोहम्मद अल-मायाही ने बताया कि आग एक हाइपर मार्केट और एक रेस्टोरेंट में लगी। जब आग लगी, तब कई लोग खाना खा रहे थे और खरीदारी कर रहे थे। गवर्नर ने बताया कि दमकलकर्मियों ने कई लोगों को बचाया और आग बुझाई है। इस दर्दनाक हादसे की वजह से पूरे देश में तीन दिन के शोक की घोषणा की गई है।

बेटी जलाओ पार्टी बन गई है भाजपा : सुप्रियो

बालासोर छात्रा आत्महत्या मामले पर झामुमो प्रवक्ता ने मोदी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। ओडिशा के बालासोर जिले में एफएम कॉलेज की छात्रा की आत्महत्या के मामले ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। इस घटना को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा अब 'बेटी बचाओ नहीं, बेटी जलाओ पार्टी' बन गई है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि ओडिशा की घटना ने एक बार फिर हिंदुस्तान को शर्मसार कर दिया है। वह (मृतका) एक पढ़ने वाली बच्ची थी, जिसे शिक्षक द्वारा शोषण और अपमान का सामना करना पड़ा। जब उसने और अन्य छात्राओं ने इस मामले की शिकायत कॉलेज प्रिंसिपल से की, तो शिक्षक ने और अधिक असभ्यता दिखाई। नतीजन न्याय नहीं मिलने और उत्पीड़न से टूटकर उसने आत्महत्या कर ली।

बेटी जलाओ है भाजपा का असली चेहरा : भट्टाचार्य

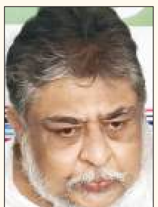

भट्टाचार्य ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने एक समय 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' का नारा दिया था। लेकिन पिछले दस वर्षों में इसका चेहरा बदलकर 'बेटी जलाओ' पार्टी बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ ओडिशा का मामला नहीं है, बल्कि यूपी, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित पूरे देश की बेटियों की यही कहानी है। जहां भी भाजपा सत्ता में है, बेटियों के साथ अन्याय और उत्पीड़न हो रहा है।

बिहार में हर कोई असुरक्षित है : तेजस्वी

अस्पताल में गोलीबारी पर विपक्ष का नीतीश सरकार पर वार

» सांसद पप्पू यादव को पुलिस ने घटनास्थल पर जाने से रोका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या राज्य में कहीं भी कोई सुरक्षित है। पटना के एक अस्पताल में भर्ती एक कैदी को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी।

एक्स पर एक पोस्ट में तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकारी अपराधियों ने आईसीयू में घुसकर अस्पताल में भर्ती एक मरीज को गोली मार दी। क्या बिहार में कहीं भी कोई सुरक्षित है? क्या ऐसा 2005 से पहले हुआ है? पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि कैदी चंदन मिश्रा आवश्यक चिकित्सा देखभाल के आधार पर पैरोल पर बाहर था और उसे इलाज के लिए पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तभी अज्ञात हमलावरों ने गुरुवार सुबह अस्पताल में घुसकर उसे गोली मार दी। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को पुलिस ने घटनास्थल पर जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि मैं राज्यपाल से बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुरोध करूँगा। बिहार में नर्स, डॉक्टर, कोई भी सुरक्षित नहीं है। ये नेता सिर्फ़ पैसे के बल पर राजनीति कर सकते हैं। कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार में कोई भी सुरक्षित नहीं है। एनडीए शासन के दौरान हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध बढ़े हैं।

अपराधियों का चयन जाति के आधार पर

पप्पू यादव ने कहा कि अपराधियों का चयन उनकी जाति के आधार पर होता है, फ़र्जी एनकाउंटर किए जाते हैं। ये गोली चलाने वालों को बचाते हैं। बिहार में प्रशासन नाम की कोई चीज़ नहीं है। माफियाओं को पनाह देते हैं... बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार नहीं चला रहे हैं। भाजपा सरकार चला रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।